नामांक Roll No.

No. of Questions — 15

No. of Printed Pages — 7

VU—01—Hindi (C)

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2015

अनिवार्य हिन्दी

(Compulsory - Hindi)

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में निर्धारित शब्द-सीमा में लिखें ।

(4) जिस प्रश्न के **अ, ब, स, द** भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

खण्ड - क

1. निम्नांकित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

मनमोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है,
सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन-सा है ?
जिसका चरण निरन्तर रत्नेश धो रहा है,
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन-सा है ?
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं,
सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन-सा है ?
जिसके बड़े रसीले, फल, कन्द, नाज, मेवे,
सब अंग में सजे हैं, वह देश कौन-सा है ?
जिसमें सुगन्ध वाले, सुन्दर प्रसून प्यारे,
दिन-रात हँस रहे हैं, वह देश कौन-सा है ?
मैदान, गिरि, वनों में हरियालियाँ लहकतीं,
आनन्दमय जहाँ है, वह देश कौन-सा है ?
जिसकी अनन्त धन से, धरती भरी पड़ी है,
संसार का शिरोमणि, वह देश कौन-सा है ?

(अ) भारत का मुकुट किसे कहा गया है ? 2

(ब) कवि ने भारतवर्ष की कौन-सी विशेषताएँ बतायी हैं ? 2

(स) 'सींचा हुआ सलोना' से क्या तात्पर्य है ? 2

(द) भारत देश को संसार का शिरोमणि क्यों कहा गया है ? 2

2. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

देश की सर्वांगीण उन्नति एवं विकास के लिए देशवासियों में स्वदेश-प्रेम का होना परमावश्यक है । जिस देश के नागरिकों में देशहित एवं राष्ट्र-कल्याण की भावना रहती है, वह देश उन्नतिशील होता है । देशप्रेम के पूत-भाव से मण्डित व्यक्ति देशवासियों की हित-साधना में, देशोद्धार में तथा राष्ट्रीय प्रगति में अपना जीवन तक न्यौछावर कर देता है । हम अपने देश के इतिहास पर दृष्टिपात करें, तो ऐसे देशभक्तों की लम्बी परम्परा मिलती है, जिन्होंने अपना सर्वस्व समर्पण करके स्वदेश-प्रेम का अद्‌भुत परिचय दिया है । महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी, सरदार भगत सिंह, महारानी लक्ष्मीबाई, लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी आदि सहस्रों देश-भक्तों के नाम इस दृष्टि से लिए जाते हैं । हमें अपने देश के इतिहास से देश-प्रेम की एक गौरवपूर्ण परम्परा मिलती है और इससे हम देश हितार्थ सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं ।

(अ) लेखक के अनुसार कौन-सा देश उन्नतिशील होता है ? 2

(ब) 'हमें अपने देश के इतिहास से देशप्रेम की एक गौरवपूर्ण परम्परा मिलती है और इससे हम देशहितार्थ सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं ।' यह किस प्रकार का वाक्य है, बताते हुए परिभाषा भी लिखें । 2

(स) 'स्वदेश' शब्द में मूल शब्द व उपसर्ग बताइए । 2

(द) अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । 2

खण्ड - ख

3. निम्न विषयों में से किसी **एक** पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : 7

(अ) आजादी के 67 वर्ष : क्या खोया, क्या पाया

(ब) बढ़ते संचार के साधन : सिमटता संसार

(स) मेरा प्रिय खिलाड़ी

(द) राजस्थानी लोकगीतों की वह प्रतियोगिता

(य) अनुशासन का महत्त्व ।

4. आपके शहर में स्वच्छता जागरूकता अभियान **अथवा** आपके विद्यालय में आयोजित 'हिन्दी-दिवस' पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताएँ विषय पर समाचार पत्र में प्रेषित करने हेतु एक प्रतिवेदन लिखिए । (उत्तर-सीमा 100 शब्द) 4

5. विविध माध्यमों के लिए लेखन-स्वरूप, प्रकार और प्रक्रिया से संदर्भित निम्नांकित प्रश्नों में से कोई **एक** प्रश्न का हल कीजिए : (उत्तर-सीमा 80 से 100 शब्द) 4

(अ) रेडियो और टेलीविजन समाचार की भाषा और शैली की विशेषताएँ लिखिए ।

(ब) 'फीचर' क्या है ? बताते हुए फीचर एवं समाचार में कोई तीन अन्तर लिखिए ।

(स) 'कहानी' एवं 'नाटक' की समानता बताने वाले तत्त्वों का उल्लेख कीजिए ।

6. निम्नांकित विषयों में से किसी **एक** पर आलेख लिखिए : 4

(उत्तर-सीमा 80 से 100 शब्द)

(अ) भ्रष्टाचार

(ब) मोबाइल फोन : वरदान या अभिशाप

(स) खाद्य पदार्थों में मिलावट : एक चुनौती ।

7. निम्नांकित विषयों में से किसी **एक** विषय पर फीचर लिखिए : 3

(अ) फिल्म-जगत् की शान : अमिताभ बच्चन

(ब) रेल दुर्घटना

(स) विद्यालय का खेल-मैदान ।

खण्ड - ग

8. निम्नांकित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंजिल भी तो है दूर नहीं —
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे —
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
मुझ से मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

(अ) पथिक क्या सोच कर जल्दी-जल्दी चलता है ? 2

(ब) ''यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है ।''
उक्त पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । 2

(स) कवि हरिवंशराय बच्चन के उर में किस बात की विह्वलता है ? 2

(द) बच्चे नीड़ों में से क्यों झाँक रहे होंगे ? लिखिए । 2

अथवा

किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी ।
पेट को पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,
अटत गहन-गन अहन अखेटकी ॥
ऊँचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,
पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी ।
'तुलसी' बुझाइ एक राम घनस्याम ही तें,
आगि बढ़वागितें बड़ी है आगि पेट की ॥

(अ) 'तुलसी' के अनुसार बड़वाग्नि से बड़ी आग कौन-सी है तथा इसका शमन कैसे किया जा सकता है ? 2

(ब) लोगों को पेट भरने के लिए कौन-कौन से कार्य करने पड़ते हैं ? 2

(स) ''पेट ही को पचत, बेचत बेटा-बेटकी''
तुलसीदास ने उक्त पंक्ति में समाज की किस विवशता को उजागर किया है ? कारण भी लिखिए । 2

(द) '' 'तुलसी' बुझाइ एक राम घनस्याम ही तें'' पंक्ति का आशय समझाइए । 2

9. निम्नांकित पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

कविता एक खेल है बच्चों के बहाने, बाहर-भीतर
यह घर, वह घर, सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने ।

(अ) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि द्वारा वर्णित भावों को समझाइए । 2

(ब) उपर्युक्त काव्यांश की शिल्पगत विशेषताएँ बताइए । 2

अथवा

ममता के बादल की मँडराती कोमलता —
भीतर पिराती है,
कमजोर और अक्षम अब हो गई है आत्मा यह,
छटपटाती छाती को भवितव्यता डराती है,
बहलाती, सहलाती, आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है ।

(अ) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि द्वारा वर्णित भावों को समझाइए । 2

(ब) उपर्युक्त काव्यांश के शिल्प-सौन्दर्य को लिखिए । 2

10. पठित कविताओं की विषय-वस्तु से सम्बन्धित दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 1\frac{1}{2} = 3$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 30 शब्द है)

(अ) ''हम समर्थ शक्तिवान, हम एक दुर्बल को लाएँगे, एक बंद कमरे में'' 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता की प्रस्तुत पंक्ति में कवि का कौन-सा भाव व्यंजित हुआ है ?

(ब) ''जादू टूटता है इस उषा का अब सूर्योदय हो रहा है ।'' 'उषा' कविता की प्रस्तुत पंक्ति में 'जादू टूटता है' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(स) ''हम हों या किस्मत हो हमारी दोनों को इक ही काम मिला
किस्मत हमको रो लेवे है हम किस्मत को रो ले हैं ।''
फ़िराक गोरखपुरी की इन पंक्तियों के भाव को स्पष्ट कीजिए ।

11. निम्नांकित पठित गद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

शहरों की तुलना में गाँव में और भी हालत खराब होती थी । जहाँ जुताई होनी चाहिए वहाँ खेतों की मिट्टी सूख कर पत्थर हो जाती, फिर उसमें पपड़ी पड़ कर जमीन फटने लगती, लू ऐसी कि चलते-चलते आदमी आधे रास्ते में लू खाकर गिर पड़े । ढोर-ढंगर प्यास के मारे मरने लगते हैं लेकिन बारिश का कहीं नामनिशान नहीं, ऐसे में पूजा-पाठ, कथा-विधान सब करके लोग जब हार जाते तब अंतिम उपाय के रूप में निकलती यह इंदरसेना । वर्षा के बादलों के स्वामी हैं इंद्र और इंद्र की सेना टोली बाँध कर कीचड़ में लथपथ निकलती, पुकारते हुए मेघों को, पानी माँगते हुए प्यासे गलों और सूखे खेतों के लिए । पानी की आशा पर जैसे सारा जीवन आकर टिक गया हो । बस एक बात मेरे समझ में नहीं आती थी कि जब चारों ओर पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी भर-भर कर इन पर क्यों फेंकते हैं । कैसी निर्मम बरबादी है पानी की ।

(अ) बारिश नहीं होने पर गाँव की हालत कैसी होती थी ? 2

(ब) गाँव में बारिश होने के लिए अंतिम उपाय कौन-सा किया जाता था ? 2

(स) 'कैसी निर्मम बरबादी है पानी की ।' लेखक ने किस संदर्भ में यह बात कही है ? लिखिए । 2

अथवा

किंतु, रात में फिर पहलवान की ढोलक की आवाज प्रतिदिन की भाँति सुनाई पड़ी । लोगों की हिम्मत दुगुनी बढ़ गई । संतप्त पिता-माताओं ने कहा, — ''दोनों पहलवान बेटे मर गए पर पहलवान की हिम्मत तो देखो, डेढ़ हाथ का कलेजा है !'' चार-पाँच दिनों के बाद एक रात को ढोलक की आवाज सुनाई नहीं पड़ी । ढोलक नहीं बोली । पहलवान के कुछ दिलेर, किन्तु रुग्ण शिष्यों ने प्रातःकाल जाकर देखा — पहलवान की लाश 'चित' पड़ी है । आँसू पोंछते हुए एक ने कहा, — ''गुरु जी कहा करते थे कि जब मैं मर जाउँ तो चिता पर मुझे चित नहीं, पेट के बल सुलाना । मैं जिन्दगी में कभी 'चित' नहीं हुआ और चिता सुलगाने के समय ढोलक बजा देना ।''

(अ) 'डेढ़ हाथ का कलेजा' का आशय स्पष्ट कीजिए । 2

(ब) ''मैं जिन्दगी में कभी 'चित' नहीं हुआ ।'' प्रस्तुत कथन से लुट्टन सिंह पहलवान का कौन-सा भाव प्रकट होता है ? 2

(स) मरने से पूर्व पहलवान ने अपने शिष्यों के सामने अपने कौन-से विचार प्रकट किये ? 2

12. पठित गद्य पाठों की विषय-वस्तु पर आधारित निम्नलिखित **चार** प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : $3 \times 3 = 9$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द है)

(अ) "भक्तिन ने महादेवी वर्मा को अधिक देहाती बना दिया किन्तु स्वयं शहर की हवा से दूर रही ।" इस वाक्य की सत्यता सिद्ध कीजिए ।

(ब) 'बाज़ार-दर्शन' निबन्ध के आधार पर 'बाज़ार के जादू' को स्पष्ट करते हुए इससे बचने के उपाय लिखिए ।

(स) "हाय, वह अवधूत आज कहाँ है !" 'शिरीष के फूल' निबंध के आधार पर बताइए कि उपर्युक्त वाक्य किसके लिए व क्यों कहा गया है ।

(द) "आर्थिक पहलू से भी जाति प्रथा हानिकारक प्रथा है ।" क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं ? अपने विचार लिखिए ।

खण्ड - घ

13. पाठों की विषय-वस्तु पर आधारित निम्नलिखित **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए : $2 \times 3 = 6$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द है)

(अ) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी का कथानक आधुनिक पाश्चात्य संस्कृति के अन्धानुकरण एवं बदलते मानवीय मूल्यों पर आधारित है । इस कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए ।

(ब) वसंत पाटिल से दोस्ती होने के बाद लेखक के व्यवहार में कौन-से परिवर्तन हुए ?

(स) मुअनजो-दड़ो के प्रसिद्ध पुराने बौद्ध-स्तूप की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिए : $2 \times 1\frac{1}{2} = 3$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 30 शब्द है)

(अ) कविता के प्रति लगाव बढ़ने के बाद लेखक को अकेलापन क्यों अच्छा लगने लगा ?

(ब) मुअनजो-दड़ो का अर्थ बताते हुए इसके बारे में जो धारणा व्यक्त की गई है उसे बताइए ।

(स) 'मौत के खिलाफ मनुष्य' नामक किताब में 'ऐन' ने औरतों की स्थिति के बारे में जो पढ़ा उसे लिखिए ।

15. विषय-वस्तु पर आधारित दिए गए **दो** प्रश्नों में से किसी **एक** निबन्धात्मक प्रश्न का उत्तर दीजिए : $1 \times 3 = 3$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द है)

(अ) "वह खुशहाली भी कैसी जो अपनों में परायापन पैदा करे ।" यशोधर बाबू की इस सोच के कौन से कारण थे ? लिखिए ।

(ब) 'डायरी के पन्ने" पाठ के आधार पर 'ऐन' के प्रकृति प्रेम का वर्णन कीजिए ।